

श्रानुकूल्यं देवतयोः Jāgñ. 1, 74. (भार्याम्) श्रानुकूल्ये वर्तमानाम् MBh. 1, 4486. तथा संवत्सरास्तस्य मुनीनामाश्रमे सुखम् । रमतश्चानुकूल्येन ययुः संवत्सरा दश R. 3, 13, 28. देवानुकूल्यम् KATHAS. 19, 1.

श्रानुकृष्टं = श्रानुकृष्ट (von कर्ष् mit श्रु) P. 5, 4, 36, VArtt. 3.

श्रानुगङ्गा adj. von श्रानुगङ्गा gāṇa परिमुखादि zu P. 4, 3, 58, VArtt.

श्रानुगतिकं adj. = श्रानुगतेन निर्वृतम् gāṇa श्रानुगतादि zu P. 4, 4, 19.

श्रानुगादिकं adj. = श्रानुगादिन् P. 5, 4, 13.

श्रानुगुणिकं m. = श्रानुगुणमधीति वेद वा gāṇa वसत्तादि zu P. 4, 2, 63.

श्रानुग्रामिक adj. = श्रानुग्राम भवः P. 4, 3, 61.

श्रानुचारिकं adj. = श्रानुचारकस्य धर्म्यम् gāṇa मक्षिष्यादि zu P. 4, 4, 48.

श्रानुजावरं (von श्रानुजावर und dieses von जन् mit श्रु) adj. spätgeboren, nachgeboren: यो राज्ञस्य श्रानुजावरः स्यात्तस्मात् श्रुतमिन्द्रमानुषूकमेकादशकपालं निर्वपेत् TS. 2, 3, 4, 3. 4. 6, 6, 11, 2. 7, 2, 3, 2. 10, 2. Vgl. P. 5, 4, 36, VArtt. 3, wo eine Form श्रानुयाजावरं (sic) mit bedeutungsloser Verlängerung des Anlauts aufgeführt wird.

श्रानुति patron. von श्रानुत (?) gāṇa तौत्वल्यादि zu P. 2, 4, 61.

श्रानुतिल्य adj. von श्रानुतिल gāṇa परिमुखादि zu P. 4, 3, 58, VArtt.

श्रानुदृष्टिनेयं patron. von श्रानुदृष्टि gāṇa कल्याण्यादि zu P. 4, 1, 126.

Vop. 7, 7.

श्रानुदृष्टेयं dass. gāṇa शुभादि zu P. 4, 1, 123.

श्रानुनाशं adj. von श्रानुनाश gāṇa संकाशादि zu P. 4, 2, 80.

श्रानुनासिव्य (von श्रानुनासिक) n. Nasalität (eines Lauts) RV. Prār. 11, 2. TAITT. Prār. 2, 5.

श्रानुपद्य adj. von श्रानुपद्य gāṇa परिमुखादि zu P. 4, 3, 58, VArtt.

श्रानुपदिकं 1) = श्रानुपदं धावति P. 4, 4, 37. — 2) = श्रानुपदमधीति वेद

वा gāṇa उक्थादि zu P. 4, 2, 60.

श्रानुपद्य adj. von श्रानुपद्य gāṇa परिमुखादि zu P. 4, 3, 58, VArtt.

श्रानुपूर्व (von श्रानुपूर्व) 1) n. Reihenfolge von vorn nach hinten: श्रानुपूर्वेण der Reihe nach M. 2, 41. Śāv. 4, 11. Viçv. 7, 15. 10, 9. R. 5, 73, 2. 74, 14. — 2) f. ०र्वी dass. AK. 2, 7, 36. H. 1504. आख्यात च ज्ञातिकुलानुपूर्वीम् MBh. 1, 7190. श्रानुपूर्वीं च धर्मस्य गत्वा लोकेषु R. 3, 70, 20. श्रानुपूर्व्यां der Reihe nach M. 3, 23. MBh. 1, 2964. 3, 41081 (p. 572). 12296. 13929. R. 2, 90, 6. 101, 11. 4, 54, 20. श्रानुपूर्व्यां निषेदञ्च 2, 91, 39.

श्रानुपूर्व्य (wie eben) n. dass. H. 1504. श्रानुपूर्व्येण संधीन् (कुर्यात्) RV. Prār. 2, 2. 11, 9. 8. नियतवाचो युक्तयो नियतानुपूर्व्या भवति Nra. 1, 15.

यथानुपूर्व्यकरणम् Kāṭh. Ça. 25, 3, 18. 1, 3, 1. 3. 10. 15. 23, 4, 6. P. 2, 1, 6.

5, 3, 5, VArtt. 1. 8, 1, 12, VArtt. 1. श्रानुपूर्व्येण M. 9, 149. Jāgñ. 1, 57. An. 10, 35. MBh. 1, 6949. 3, 10095. 12232. 14861. 16995.

श्रानुमत (von श्रानुमत oder ंति) adj. f. ई auf die Zustimmung, Gunst (der Götter) bezüglich KAUC. 23. 42. 43. 82.

श्रानुमानिक (von श्रानुमान) adj. mit einem Schluss in Verbindung stehend, worauf man durch einen Schluss gelangt Kāc. zu P. 1, 1, 56

gegen das Ende. श्रानुमानिकत्वं das Beruhen auf Schluss Kāṭh. Ça. 1, 3, 6.

श्रानुमाप्य und श्रानुपुव्य adjj. von श्रानुमाप und श्रानुपुव gāṇa परिमुखादि zu P. 4, 3, 58, VArtt.

श्रानुयाजावरं s. श्रानुजावर.

श्रानुपूय्य adj. von श्रानुपूय gāṇa परिमुखादि zu P. 4, 3, 58, VArtt.

श्रानुरक्ति f. = श्रानुरक्ति ÇKDn.

श्रानुरक्ति patron. von — (?) gāṇa तौत्वल्यादि zu P. 2, 4, 61 (v. l. श्रानुरक्ति).

श्रानुरक्ति patron. von श्रानुरक्ति (von रुक् mit श्रु) ebend.

श्रानुलेपिकं adj. = श्रानुलेपिकाया धर्म्यम् gāṇa मक्षिष्यादि zu P. 4, 4, 48.

श्रानुलोमिकं adj. = श्रानुलोमं वर्तते P. 4, 4, 28. günstig VJUR. 162.

श्रानुलोम्य (von श्रानुलोम) 1) adj. in der natürlichen oder geraden Ordnung entstanden: वर्षानामानुलोम्यानाम् (Sch.: श्रानुलोमजातानाम्) UÇANAS in Dā. 108, 9. 109, 5. — 2) n. a) die Richtung nach dem Strich der Haare, gerade oder natürliche Ordnung (von oben nach unten, von vorn nach hinten) M. 10, 5. 13. Jāgñ. 2, 183. 207. 286. P. 3, 4, 64. — b)

günstige Richtung, geeignete Disposition, Geneigtheit P. 3, 2, 20. 5, 4, 63.

क्रियाणामानुलोम्यं च करोत्यकुपिता ऽनिलः Suçr. 1, 230, 4. 30, 5. — c) das Bringen in die richtige Lage Suçr. 1, 26, 18.

श्रानुवंश्य adj. von श्रानुवंश gāṇa परिमुखादि zu P. 4, 3, 58, VArtt.

श्रानुविधित्सा f. Undankbarkeit (उपकृतेरप्रत्युपकारिच्छा) ÇKDn. (इति पुराणम्). Scheint aus श्रानुविधित्सा (von धा im desid. mit श्रु + वि und der Negation) verstümmelt zu sein.

श्रानुवेश्य (von श्रु + वेश) m. ein Nachbar zur Seite: प्रातिवेश्यानुवेश्यौ M. 8, 392. KULL.: निरुत्तरगृह्वासी प्रातिवेश्यः (wohl: ein Nachbar gegenüber) तदुत्तरगृह्वासी श्रानुवेश्यः (so mit kurzem श्र).

श्रानुशातिकं adj. = श्रानुशातिकस्वेदम् P. 7, 3, 20, Sch.

श्रानुशासनिक (von श्रानुशासन) adj. auf die Unterweisung bezüglich, davon handelnd: पर्वन् MBh. 1, 353. Verz. d. B. H. No. 391. 399.

श्रानुश्रूक (von श्रु + श्रूक) adj. in den Grannen befindlich, von Reis KAUC. 6.

श्रानुश्रविक (von श्रानुश्रव) adj. auf der Ueberlieferung beruhend ŚĀM-KHJAK. 2. Sch.: श्रानुश्रवतीत्यनुश्रवस्तत्र भव श्रानुश्रविकः स च घागमात्सिद्धः.

श्रानुश्रविक (von श्रानुश्रव) adj. dass. ÇĀM-KAR. in der Einl. zur KATHOP.

श्रानुश्रूक (von श्रु + श्रूक) adv. gāṇa स्वरदि zu P. 1, 1, 37. gāṇa चादि zu 1, 4, 57. in stütiger Folge, unausgesetzt. Einer nach dem Andern: वि कृष्यमग्निं श्रानुश्रुभोगो न वारं मूषवति RV. 5, 16, 2. सुचस्त्वा यत्यानुषक् 21, 2. यस्तं श्रांत्यमानुषयुञ्जीयत् 4, 4, 10. अग्रे वादा ते श्रानुश्रुभुवद्देवस्य चेतनम् 7, 2. सह श्रानुः पुष्यति विश्रमानुषक् 10, 83, 1. 1, 13, 5 54, 14. 38, 3. 72, 7. 3, 11, 1. 41, 2. VĀLAKH. 3, 6. — Vgl. श्रानुषक् und श्रानुषक्.

श्रानुश्रविक (von श्रानुश्रव) adj. sich anheftend, anschliessend: अथ कदाचित्तत्रानुश्रविकं वानुश्रुयमितश्चितश्च परिधममाणमगच्छन् Pañkāt. 10, 5.

अन्यतरस्यानुश्रविकत्वे ऽन्वाचयः Siddh. K. zu P. 2, 2, 29.

श्रानुषाण्डं und श्रानुषाण्डकं adjj. von श्रानुषाण्ड gāṇa कच्छादि zu P. 4, 2, 133. 134.

श्रानुश्रूक P. 5, 4, 36, VArtt. 3. so v. a. श्रानुश्रूक, aber in den Brāhmaṇa gedeutet, als ob es von सू käme und etwa fördernd, vorwärts treibend bedeutete: श्रानुश्रूकमेकादशकपालं निर्वपति नैवैनमयं देवतानां पर्यणयत् TS. 2, 3, 4, 2.

श्रानुश्रुभ (von श्रानुश्रुभ) adj. f. श्रा gāṇa उत्सादि zu P. 4, 1, 86. aus A. bestehend, der A. gleichartig; z. B. aus vier Gliedern zusammengesetzt: श्रानुश्रुभस्य कृषिषो कृषिर्यत् RV. 10, 181, 1. कन्दसा VS. 11, 11. 60. श्रानु-